संस्थापन कला

अमरेश कुमार

विधाएँ जब एक साथ जुड़ कर अपना एक अस्तित्व कायम करती है तो उनके आपसी तालमेल द्वारा एक नवीन कला विधा का प्रारूप बनता है। इसे संस्थापन कला भी कहा जाता है। संस्थापन कला एक प्रकार की आधुनिक कला है जिसमें कलाकार विभिन्न सामग्रियों का उपयोग करते हुए अपनी कला को स्थापित करता है। जैसे दीवार, फर्श, गैलरी, मॉल, खुले हुए स्थान पर संयोजन विभिन्न प्रकार के प्रकाश व कला सामाग्रियों द्वारा संस्थापन कला का सफलतापूर्वक संयोजन होता है और चुनी हुई सामाग्रियों के द्वारा स्थान को भरते हुए एक अच्छा संयोजन तैयार करता है। जो दर्शकों को अपनी ओर आकर्षित करती है। दर्शक उसमें इतने तल्लीन हो जाते है कि उन्हें पता ही नहीं चलता कि कब वे कुछ पल के लिए इस कला का हिस्सा बन गये। संस्थापन कला (इंस्टालेशन आर्ट), अस्थाई और स्थाई दोनों प्रकार के होते हैं तथा इनके विविध आयाम होते हैं। जैसे गैलरी आधारित संस्थापन कला, डिजिटल आधारित, इलेक्ट्रॉनिक पर आधारित इत्यादि।